>

Title: Issue regarding commodity exchange and future trading in the country.

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, देश के आर्थिक हालात आज इतने विकट हैं कि उस पर लंबी बहस की ज़रूरत है। मुझे खुशी है कि पाँच दिन के लिए आपने संसद का सत्र बढ़ा दिया है। ...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): अध्यक्ष महोदया, अभी तक सत्र नहीं बढ़ाया है। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : बढ़ा दिया है?

श्री कमल नाथ : अभी तक इसका कोई फॉर्मल प्रस्ताव नहीं है। जब होगा तो सदन को सूचित कर दिया जाएगा।

श्री शरद यादव : शरद पवार जी कह रहे हैं कि हो गया और ये कह रहे हैं कि नहीं हुआ है। ...(व्यवधान) शरद पवार जी ज़रा मित्र हैं, इसलिए बता रहे हैं कि हो गया है। ...(व्यवधान)

मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि महंगाई बढ़ाने वाला एक मामला बहुत गंभीर है जो कि बार-बार उठता है। यह जो कमोडिटी एक्सचेन्ज है, इसके चलते एक बार नहीं, सदन में कई बार मामला उठा है। मैंने ऊपरी सदन में भी कहा था कि यह काम मेरे हाथ से हुआ है, इसलिए इस पर मुझे बहुत अफ़सोस और तकलीफ़ है। मैं मानता हूँ कि यह बड़ी भारी गलती हुई है। इस एक्सचेन्ज का 2500 करोड़ रुपये का जो टर्न-ओवर था, वह अब 2लाख 95करोड़ रुपये का हो गया है। फिर उन्होंने 1.7.2007 में स्पॉट एक्सचेन्ज लगा दिया। अब इस स्पॉट एक्सचेन्ज का मतलब समझ लीजिए कि 11 दिन में जो भी माल रखा है, उसको 11 दिन के भीतर लेना है। लेकिन एक भी 11 दिन में नहीं गया, यह सब फ्यूचर ट्रेडिंग में गया। फ्यूचर ट्रेडिंग में गया तो इसमें अकेले एक आदमी ने, मैं नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन एक आदमी ...(व्यवधान) * ने स्पॉट एक्सचेन्ज में जो लोगों का माल था, उसके पैसे उसने देने का काम नहीं किया। 2लाख 95 करोड़ रुपये का यह सट्टा बाज़ार हो गया और किसानों और उपभोक्ताओं को इसमें कोई लाभ नहीं हुआ, दोनों ही लुटे। एक जगह सामान पर्ची पर लिखा हुआ है, वह कोलकाता में बिक गया, फिर मुम्बई में बिक गया, फिर अहमदाबाद में बिक गया। यानी पर्ची बिकती जा रही है और पैसा बढ़ता जा रहा है, दाम बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई का एक कारण मैं यह मानता हूँ। शरद पवार जी इससे सहमत नहीं होंगे, लेकिन मेरा यह मानना है। संजय निरुपम जी उधर चले गए तो हमें नहीं बताते, ये मुम्बई के रहने वाले हैं। यह फ्यूचर ट्रेडिंग जो कमोडिटी एक्सचेन्ज में है, यह देश में तबाही मचाने वाले बहुत से कारणों में से एक कारण है। जो रुपया डूब रहा है, जो इंडस्ट्रियल ग्रोथ घट गई है, एक्सपोर्ट घट गया है, आप पूरी तरह से दुनिया में इस हालत में हैं कि यहाँ कोई एफडीआई लाने को तैयार नहीं है। जो यहाँ थे, वे भाग रहे हैं। ऐसी स्थिति को यदि ठीक करना है तो मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करना चाहता हूँ कि सारी पार्टियों को बुलाकर इस संकट पर बात करने का काम करना चाहिए। हमारे देश में पहले बहुत कम आयात होता था। हमने अपने देश के अंदर जो हमारी ताकत थी, हमारे मिनिरल थे, कोल हो, आयरन हो, हमने क्या-क्या तमाशा किया हैं? हमारे पास 81 मिनिरल्स हैं, लेकिन हमने उनका कोई लाभ नहीं उठाया। हमारे पास इतना पानी है, दुनिया की सबसे उपजाऊ जमीन है, इन सारी शक्तियों के होते हुए, इतनी आर्थिक ताकत हुए भी हमारी यह दुर्गति हुई है, इस पर बहस होनी चाहिए। कमोडेटी एक्सचेंज के बारे में मैं आपसे, सरकार से और शरद पवार जी आपसे कहना चाहता हूं कि इसको बंद करवाइए।...(व्यवधान) बहुत छोटे शब्दों में कह रहा हूं कि इसको बंद करवाइए। यह बंद नहीं होगा तो महंगाई और बढ़ेगी। हमारे यहां सट्टेबाजार का क्या मतलब है? न तो यह किसान को लाभ पहुंचा रहा है और न यह उपभोक्ता को लाभ पहुंचा रहा है। सब तरह से तबाही और बर्बादी है। आज देश किस जगह खड़ा है? प्रधानमंत्री जी यहां नहीं हैं, उनको सभी पार्टियों को बुलाना चाहिए और सदन में बहस करवानी चाहिए, यह इतना गंभीर मामला है कि देश कहां जा रहा है और कहां पहुंचेगा? इसके लिए हमें और पूरे देश को विश्वास पर तो लेना चाहिए। आज सभी लोग परेशान हैं। जो देश को समझता है, आर्थिक मुद्दों को समझता है, वह हमें फोन कर-कर के कहता है कि इस मामले पर पार्लियामेंट ठीक से क्यों नहीं बोल रही है? आज देश की जो हालत है, हम जिधर पहुंच गए हैं, तो यह आपकी ही नहीं, हमारी भी चिंता है और इस चिंता को कैसे दूर करेंगे? प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि डरो मत। आपने कह दिया डरो मत, लेकिन सामने दाम बढ़ रहे हैं, सामने तबाही हो रही है, सामने उद्योगधंधे तबाह हो रहे हैं और आप कहते हैं कि घबराओ मत। घबराएंगे कैसे नहीं? किस बात के लिए नहीं घबराएंगे? इसलिए मेरी आपसे विनती है कि आर्थिक मामलों को लेकर यदि आप पांच दिन बढ़ाते हैं, तो देश की आर्थिक दशा पर पूरी तरह से बहस होनी चाहिए। इस सदन में इतने लोग हैं, उनके सुझाव भी सामने आने चाहिए।

अध्यक्ष महोदया :

प्रो. सौगत राय,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर,

श्री निशिकांत दुबे,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री प्रेम दास राय,

श्री पी.के. बिजू,

एम.बी. राजेश,

श्री शिवकुमार उदासी और

श्री देवजी एम. पटेल अपने को श्री शरद यादव द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह। आप कृपा करके अपनी सीट पर जाइए। आप अपनी सीट से बोलिए।